609   604   **1000Rs.**

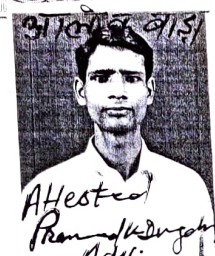

Attested
Pramod Kr. Dungdung
Advi.
5/06/10

आलोक बाड़ा
5-6-2010

[illegible] 21 के अधीन एवं [illegible]
[illegible] अधिनियम 1908 की धारा
...4.6.11 P.R.O. C... के अधीन
[illegible] स्टाम्प अधिनियम
[illegible] 1899 की अनुसूची
[illegible] 1 क संख्या 23 I-A with the Permission
[illegible] by S.D.O. Simdega vide case
[illegible] No. 306/2009-10 order
[illegible] dated 4.6.10

5.6.10

5.6.10

१।१ लेख्यकारी:- श्री आलोक बाडा पिता स्व० स्टीफन बाड़ा, जाति- उराँव, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- सिमडेगा घोचांटोली, थाना- सिमडेगा, जिला-सिमडेगा ।

.. .. ..   बिक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 402/2010 ——

पु० मो० प्रताप बाड़ा
पिता- स्व० लहड़ू बाड़ा
ग्राम- फाइबल टोली (गोतरा)
थाना- सिमडेगा
जिला- सिमडेगा
ता०- 5-6-2010

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

§2§ लेख्यधारी:- श्री पोलिकार्प इंगहंग पिता स्व0 निकोलस इंगहंग, जाति- खड़िया, पेशा- नौकरी, निवास ग्राम-गोतारा फानुएलटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 403/2010 -

§3§ लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला बेला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

§4§ मूल्य:- मोबलिग एक लाख दस हजार रूपये अंके 1,10,000/- रूपये होता है ।

§5§ सम्पति:- एराजियात अन्दर मौजा- सिमडेगा बाजारटोली, थाना- सिमडेगा, थाना नं0 116, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं0 115 §एक सौ पन्द्रह§ प्लॉट न0 58 §अनठावन§ रकबा 0·30½ एकड़ मे से 0·10 एकड़ §दस डिसमिल§ यह जमीन व्यवसायिक नहीं है पूर्णत: आवासीय है जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नही है ।

जिसकी चोहद्दी:-

उत्तर:- प्लॉट नं0 60 दोन,

दक्षिण:- इसी प्लॉट का अंश नीज बिक्रेता टांड़,

पूरब :- इसी प्लॉट का हिस्सा से छोड़ा गया रास्ता कच्ची 6 फीट का,

ह/- किशोर कुमार करकट्टा
पिता - श्री मरियानुस करकट्टा
ग्राम - तीलो फाजुलम टोली
थाना - सिमडेगा
जिला - सिमडेगा
तारीख - 5-6-010

आलोक बाड़ा
5-6-2010

1000Rs.

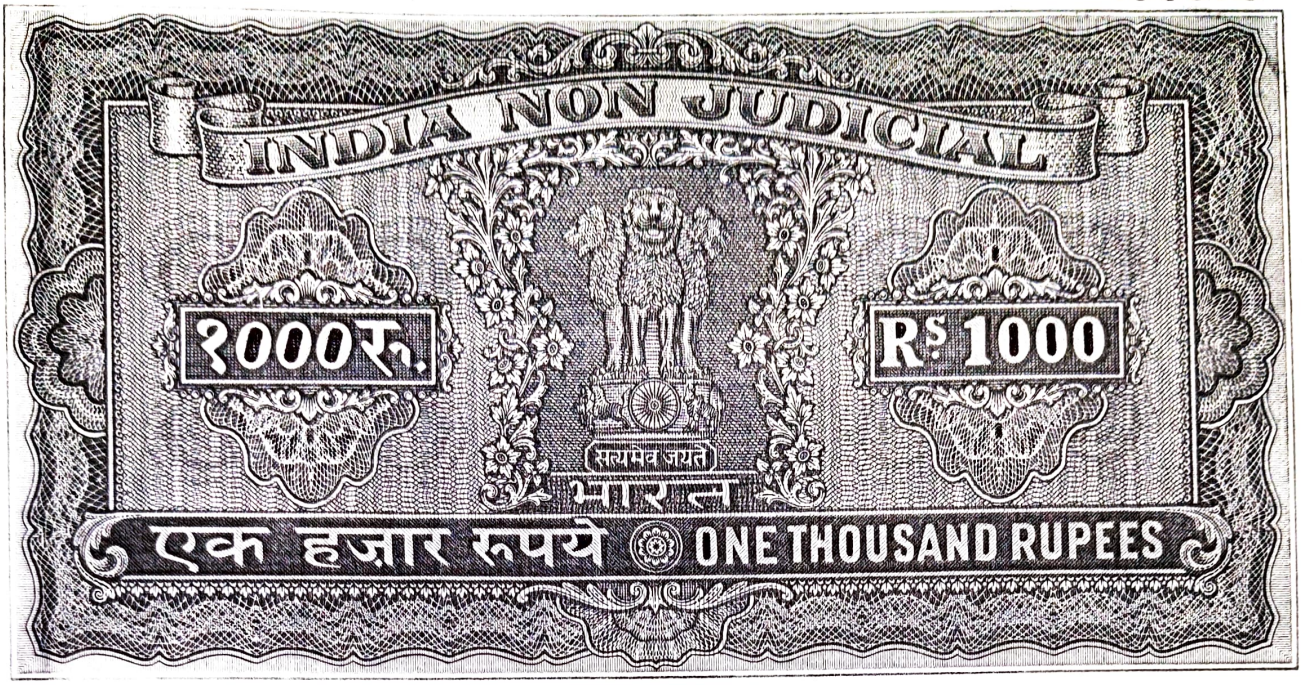

पश्चिम:- प्लॉट नं0 59 दोन गढ़ा ।

मालगुजारी 2 पैसा (दो पैसा) अलावे सेस सलाना ।

(1) चूँकि मुझ लेख्यकारी को मकान बनाने एवं अन्य दीगर घरेलू खर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे बगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

(2) इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानपन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

(3) मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि विक्रीत वर्णित जमीन खतियानी है । खतियान में मेरे परदादा स्टीफन उराँव वगै0 के नाम से नाप दर्ज है । वर्तमान में उक्त जमीन का मालगुजारी रसीद मेरे खास नाम से कटता है । उक्त जमीन पर मेरा निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है और

5-6-2010

1000Rs.

किसी प्रकार का वाद या झगडा झंझट नहीं है ।

§4§ चूँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य है अत: जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् अनुमण्डल पदाधिकारी, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद संख्या 306/2009-10 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 4·6·10 को प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं0 489§।।§ दिनांक 4·6·2010 है ।

§5§ अब चाहिए कि लेख्यधारी अपनी जमीन पर काविज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी ले रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

§6§ इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

8.6.2010

100Rs.

--5--

मै लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

आलोक ओझा
5-6-2010

आलोक ओझा
5-6-2010

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी ने अपने बायें हाथ के पांचो अंगुलियों का निशान मेरे समक्ष किया।

Pramod Kr. Dangi
Adv.
05/06/2010

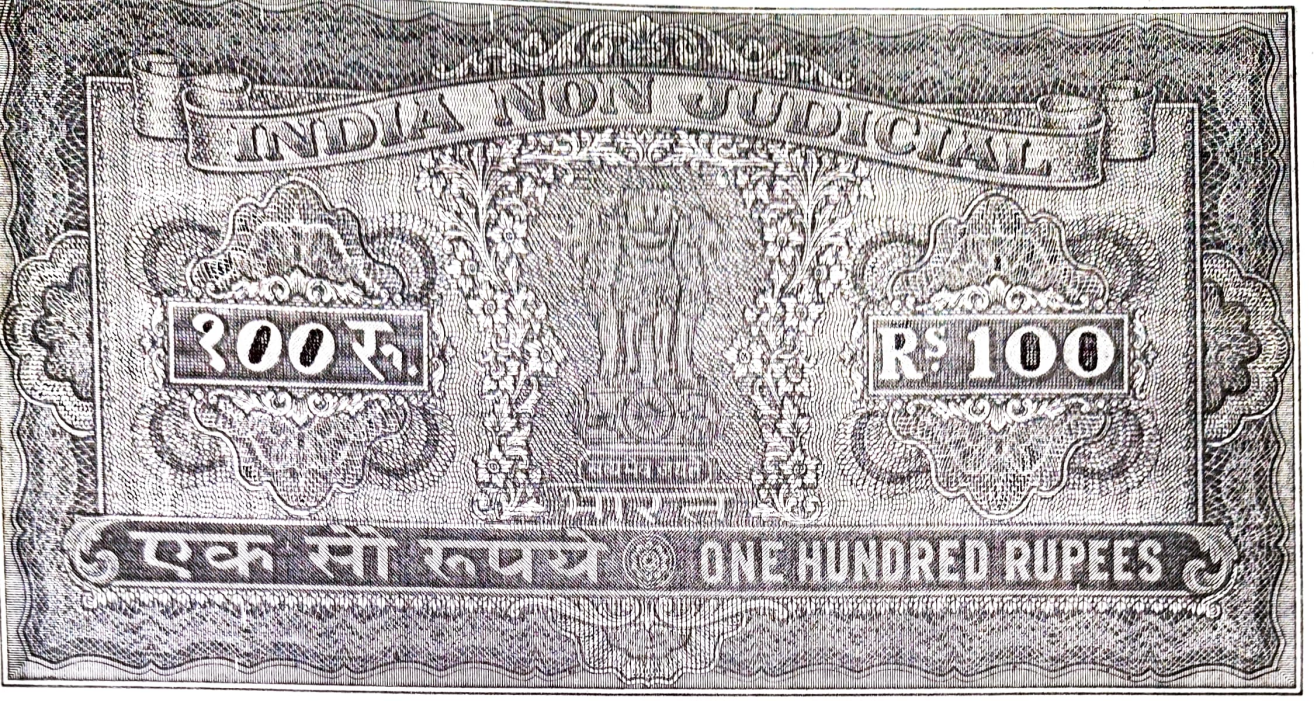

मै लेख्यधारी यह घोषणा करता हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

Policarp Dungdung
5/6/2010

पोलीकार्प डुंगडुंग

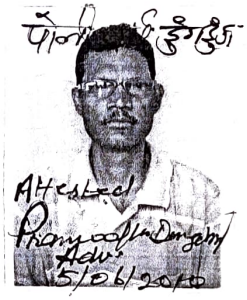

आलोक बाड़ा
5-6-2010

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारी ने अपने बायें हाथ के पाँचों अंगुलियों का निशान मेरे समक्ष किया ।

Pramod Kr Dungdung
Adv.
05/06/2010

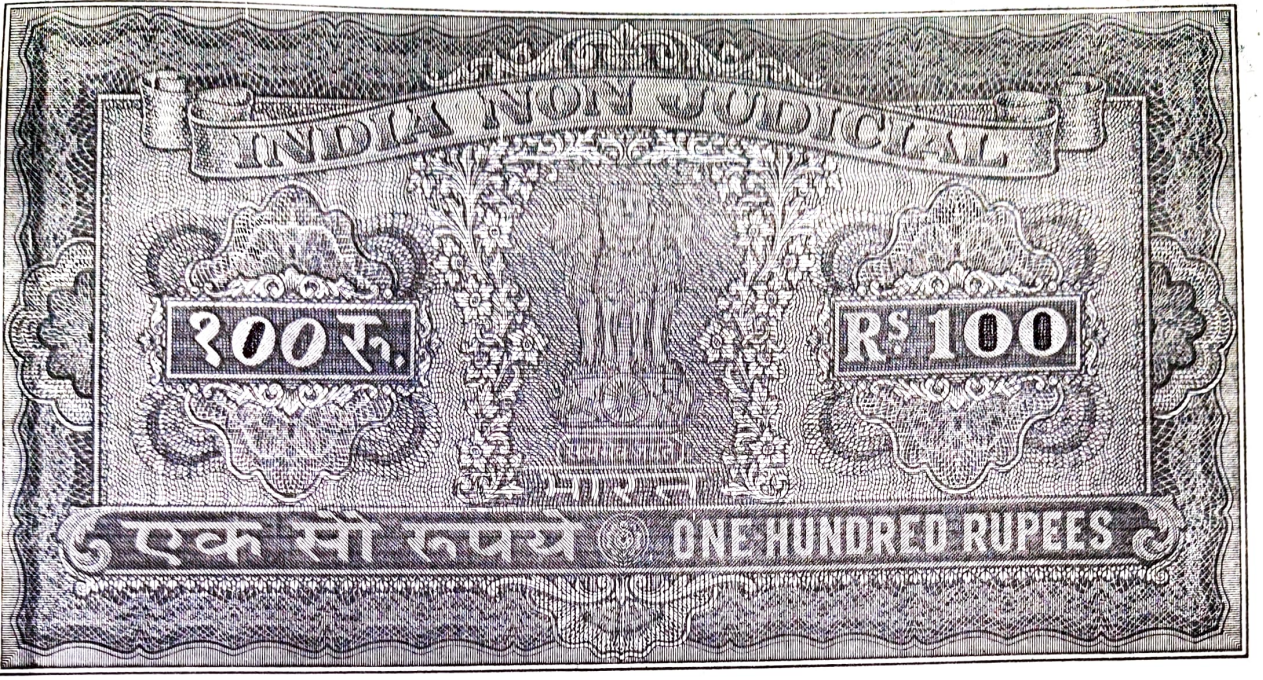

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारुप तैयार किया एव उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- Pramod M. Dongre
Adv. 05/06/2010

{प्रारुपकर्ता}

तारीखः-

5-6-2010

100Rs.

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल आठ पृष्ठों में कुल 592 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्सा सहित है ।

टंकक
5-6-2010
मो० मकसूद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।

5-6-2010